पंजाब केसरी
THU,12 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

सी.आर.एस.यू. में 2 दिवसीय पुस्तक मेले के दूसरे दिन उमड़ा ज्ञान-प्रेमियों का उत्साह

पठन-संस्कृति को सशक्त करना हमारा दायित्व : वी.सी.

जींद, 11 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित 2 दिवसीय पुस्तक मेले के दूसरे दिन भी उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस ज्ञानोत्सव में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

पुस्तक मेले में देश-विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया। विभिन्न स्टॉलों पर शैक्षणिक, शोधपरक, साहित्यिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास, खेल विज्ञान, भारतीय संस्कृति, सामान्य ज्ञान, प्रबंधन, योग एवं आयुर्वेद सहित अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पुस्तकों का अवलोकन किया तथा अपनी रुचि के अनुसार क्रय भी किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनिल ने कहा कि पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, विचार और संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में पठन-पाठन की आदत को बढ़ावा मिलता है और वे पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी नई जानकारियां प्राप्त करते हैं।

पुस्तक मेले में भाग लेते विद्यार्थी।

उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण सामग्री के चयन में ऐसे मेले अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

उन्होंने बताया कि देश-विदेश के 65 पब्लिशर विश्वविद्यालय में हिस्सा लेने के लिए आए हुए हैं उनके पास विभिन्न प्रकार के ऑथर्स और राइटर की बुक्स है जो विद्यार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। इस बुक फेयर में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल को सामान्य ज्ञान भारतीय परंपरा संस्कृति वैज्ञानिक और हर प्रकार के सरकारी एग्जाम्स जिनकी तैयारी बच्चे आज-कल कर रहे हैं पुस्तक देखने के लिए और पढ़ने के लिए मिल जाएंगी।

शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. नवीन लाडवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल और शिक्षा का गहरा संबंध है। एक अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए मानसिक सशक्तता और सैद्धांतिक ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। पुस्तक मेले में खेल विज्ञान, स्वास्थ्य एवं फिटनैस से संबंधित पुस्तकों की उपलब्धता विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

डॉ. रीतू ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए पुस्तकें मार्गदर्शक की भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेला शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को समृद्ध करने का एक सशक्त माध्यम है, जहां नवीन शोध, शिक्षण विधियों और समकालीन विषयों पर आधारित साहित्य सहज उपलब्ध होता है।

संगीत विभाग की डॉ. कविता एवं डॉ. कृष्ण ने संयुक्त रूप से कहा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि संस्कृति और संवेदनाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने बताया कि संगीत, साहित्य और दर्शन से जुड़ी पुस्तकों ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता और सौंदर्य बोध का विकास होता है।

समाजशास्त्र विभाग की डॉ. पूनम ने कहा कि समाज और समय को समझने के लिए पुस्तकों से बेहतर माध्यम कोई नहीं हो सकता। समाजशास्त्र, समकालीन मुद्दों, महिला अध्ययन एवं सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी पुस्तकों में विद्यार्थियों ने विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेला विद्यार्थियों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

प्रबंधन विभाग से डॉ. सुधा यादव ने कहा कि प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, उद्यमिता, व्यक्तित्व विकास और आर्थिक विषयों से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस मेले में प्रबंधन विषय की नवीनतम पुस्तकों की उपलब्धता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक रही। विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा किए।

योग विभाग के विद्यार्थियों ने कहा कि योग, आयुर्वेद, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रबंधन से संबंधित पुस्तकों ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। प्रबंधन विभाग के छात्रों ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं, स्टार्टअप, मार्केटिंग और लीडरशिप से संबंधित पुस्तकों ने उनके ज्ञानवर्धन में सहायक भूमिका निभाई।

वहीं शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने खेल मनोविज्ञान, पोषण और फिटनैस से जुड़ी पुस्तकों में गहरी रुचि दिखाई और ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

पुस्तक मेले के दूसरे दिन का वातावरण अत्यंत सकारात्मक और ज्ञानवर्धक रहा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों का आकर्षण बना हुआ है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

समापन अवसर पर सभी ने इस प्रकार के शैक्षणिक और ज्ञानवर्धक आयोजनों को भविष्य में भी निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन का वातावरण और अधिक समृद्ध हो सके।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 12-02-2026

पुस्तक प्रदर्शनी • सीआरएसयू में पुस्तक मेले का दूसरा दिन भी रहा ज्ञानवर्धक

योग, आयुर्वेद और खेल की किताबों में बढ़ी रुचि

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में दो दिवसीय पुस्तक मेले के दूसरे दिन भी ज्ञान प्रेमियों का उत्साह दिखा। वीसी प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। पुस्तक मेले में देश-विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने हिस्सा लिया। मेले में शैक्षणिक, साहित्यिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल विज्ञान, भारतीय संस्कृति, योग एवं आयुर्वेद सहित विभिन्न विषयों की पुस्तकों की प्रदर्शनी लगी। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पुस्तकों का अवलोकन किया और अपनी रुचि अनुसार पुस्तकें खरीदीं।

सीआरएसयू में आयोजित पुस्तक मेले में पुस्तकें दिखाते हुए विद्यार्थी।

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनिल ने कहा कि पुस्तक मेला केवल खरीद-फरोख्त का मंच नहीं, बल्कि ज्ञान और संवाद का माध्यम है। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है और मेले से विद्यार्थियों में पठन-पाठन की आदत विकसित होती है। शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. नवीन लाडवाल ने खेल और शिक्षा के संबंध पर जोर दिया। शिक्षा विभाग की डॉ. रितु ने कहा कि पुस्तकों से शिक्षक और विद्यार्थियों दोनों को मार्गदर्शन मिलता है। संगीत विभाग के डॉ. कविता एवं डॉ. कृष्ण ने बताया कि संगीत और साहित्य से जुड़ी पुस्तकों ने रचनात्मकता बढ़ाई। विद्यार्थियों ने भी योग, आयुर्वेद, फिटनेस, प्रतियोगी परीक्षाओं, स्टार्टअप और प्रबंधन विषयों से संबंधित पुस्तकों की उपयोगिता को सराहा। दूसरे दिन का माहौल सकारात्मक और ज्ञानवर्धक रहा। प्रशासन ने आयोजन की सफलता में सहयोग दिया।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 12 Feb 2026 - Page 3

सीआरएसयू में दो दिवसीय पुस्तक मेला संपन्न

संस्कृति को सशक्त करना हमारा दायित्व: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विवि में कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेले के दूसरे दिन भी उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस ज्ञानोत्सव में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों तथा गैरशिक्षण कर्मचारियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। पुस्तक मेले में देश व विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया। विभिन्न स्टॉलों पर शैक्षणिक, शोधपरक, साहित्यिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास, खेल विज्ञान, भारतीय संस्कृति, सामान्य ज्ञान, प्रबंधनए योग एवं आयुर्वेद सहित अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पुस्तकों का अवलोकन किया तथा अपनी रुचि के अनुसार क्रय भी किया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अनिल ने कहा कि पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का मंच नही है बल्कि यह ज्ञान, विचार और संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में पठन व पाठन की आदत को बढ़ावा मिलता है और वे पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी नई जानकारियां प्राप्त करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है बल्कि गुणवत्तापूर्ण सामग्री के चयन में ऐसे मेले अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। बताया कि देश व विदेश के 65 पब्लिशर विश्वविद्यालय में हिस्सा लेने के लिए आए हैं, उनके पास विभिन्न प्रकार के ऑथर्स और राइटर की बुक्स हैं जो विद्यार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि सुधार थी शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

जींद। पुस्तक मेले में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

दूसरा दिन रहा ज्ञानवर्धक

मेले के दूसरे दिन का वातावरण अत्यंत सकारात्मक और ज्ञानवर्धक रहा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने ये सिद्ध कर दिया कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों का आकर्षण बना हुआ है। विवि प्रशासन ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। समापन पर सभी ने इस प्रकार के शैक्षणिक और ज्ञानवर्धक आयोजनों को भविष्य में भी निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि विवि में अध्ययन, अध्यापन का वातावरण और अधिक समृद्ध हो सके।

अमर उजाला

Date-12.02.2026

डिजिटल क्रांति होने के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ : डॉ. अनिल

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेले का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेले के दूसरे दिन समापन हुआ। विश्वविद्यालय में सजे इस ज्ञानोत्सव में न केवल जींद बल्कि आसपास के क्षेत्रों के शिक्षाविदों ने भी शिरकत की। मेले के दूसरे दिन का माहौल पूरी तरह शैक्षणिक ऊर्जा से लबरेज रहा जहां विद्यार्थियों से लेकर गैर शिक्षण कर्मचारियों तक ने पुस्तकों की दुनिया में रुचि दिखाई।

इस पुस्तक मेले देश-विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने हिस्सा लिया। स्टॉलों पर प्रतियोगी परीक्षाओं, शोध, साहित्य, व्यक्तित्व विकास, प्रबंधन, योग, आयुर्वेद और भारतीय संस्कृति से जुड़ी हजारों पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध था।

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनिल ने कहा कि डिजिटल क्रांति के बावजूद भौतिक पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। यह मेला केवल खरीद-फरोख्त का जरिया नहीं बल्कि संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का मंच है।

सीआरएसयू में प्रदर्शनी में पुस्तक देखते लोग। संवाद

वहीं शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. नवीन लाडवाल ने खेल विज्ञान और फिटनेस संबंधी पुस्तकों की उपलब्धता को खिलाड़ियों के लिए वरदान बताया। शिक्षा विभाग की डॉ. रितु और समाजशास्त्र विभाग की डॉ. पूनम ने कहा कि समाज और शिक्षण विधियों को समझने के लिए नवीन शोधपरक पुस्तकों का अध्ययन अनिवार्य है।

संगीत विभाग की डॉ. कविता व डॉ. कृष्ण ने कहा कि संगीत और दर्शन की पुस्तकों ने विद्यार्थियों में रचनात्मकता का संचार किया है।

प्रबंधन विभाग की डॉ. सुधा यादव ने

देश-विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने लिया था हिस्सा

नेतृत्व और उद्यमिता पर आधारित साहित्य को भविष्य के प्रबंधकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताया। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने मेले के प्रति अपना फीडबैक साझा किया। योग विभाग के छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रबंधन की पुस्तकों में रुचि दिखाई जबकि प्रबंधन के छात्रों ने स्टार्टअप और मार्केटिंग की नई तकनीक सीखने के लिए पुस्तकें खरीदीं।

शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों ने खेल मनोविज्ञान और पोषण से जुड़ी पुस्तकों को अपनी प्राथमिकता बताया। विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस मेले के समापन पर सभी विभागाध्यक्षों और विद्यार्थियों ने मांग की कि ऐसे आयोजन हर वर्ष नियमित रूप से होने चाहिए ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन का वातावरण और अधिक समृद्ध हो सके।

दैनिक जागरण

Date-12.02.2026

विवि में पठन-संस्कृति को सशक्त करना हमारा दायित्व : कुलपति

विश्वविद्यालय में पुस्तक मेले में भाग लेती छात्राएं एवं स्टाफ। ● विवि

जागरण संवाददाता ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले के दूसरे दिन ज्ञान प्रेमियों को उत्साह देखते ही बन रहा था। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस ज्ञानोत्सव में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि पुस्तक मेले में देश-विदेश के 65 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया। विभिन्न स्टालों पर शैक्षणिक, शो धपरक, साहित्यिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास, खेल विज्ञान, भारतीय संस्कृति, सामान्य ज्ञान, प्रबंधन, योग एवं आयुर्वेद सहित अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अनिल ने कहा कि पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, विचार और संवाद का सशक्त माध्यम है। डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण सामग्री के चयन में ऐसे मेले अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।